शिव जी को एक लोटा जल जो चढ़ाता है भजन लिरिक्स

शिव जी को एक लोटा,
जल जो चढ़ाता है,
बिन मांगे वो बाबा,
आपसे पाता है,
जहां भी हो दरबार मेरे,
भी मन को लुभाता है,
सावन में कांवर ले,
जो कोई आता है,
बिन मांगे वो बाबा,
आपसे पाता है।bd।

तर्ज – तुझको ना देखूं तो।

कुंती के पूजित बाबा कुंतेश्वर,
भूवनों की रक्षा के प्यारे भुवनेश्वर,
आकर यहां जो जल है चढ़ाता,
मन की मुरादे वह तुमसे पाता,
देवों का आपसे भी महादेव सा नाता है,
बिन मांगे वो बाबा,
आपसे पाता है,
जहां भी हो दरबार मेरे,
भी मन को लुभाता है।bd।

महादेवा लोधेश्वर अद्भुत नजारा,
रामेश्वरम श्री राम का प्यारा,
पूजे है जिसको सारा जमाना,
रोते हुए मनका खिलखिलाना,
दर्शन बिन ना उसको कुछ भी भाता है,
बिन मांगे वो बाबा,
आपसे पाता है,
जहां भी हो दरबार मेरे,
भी मन को लुभाता है।bd।

काशी के बाबा विश्वेश्वर प्यारे,
नागेश्वर बागेश्वर नाम तुम्हारे,
केदारनाथ में धाम तुम्हारा,
[illegible]

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना [illegible] अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

इसीलिए तो सचिन दर पर आता है,
बिन मांगे वो बाबा,
आपसे पाता है,
जहां भी हो दरबार मेरे,
भी मन को लुभाता है।bd।

शिव जी को एक लोटा,
जल जो चढ़ाता है,
बिन मांगे वो बाबा,
आपसे पाता है,
जहां भी हो दरबार मेरे,
भी मन को लुभाता है,
सावन में कांवर ले,
जो कोई आता है,
बिन मांगे वो बाबा,
आपसे पाता है।bd।

गायक / प्रेषक – सचिन निगम।
8756825076

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com